प्रेस विज्ञप्ति

करोड़ों लोग करेगें विश्व शान्ति के लिए ध्यान-प्रार्थना

शान्तिवन, आबू रोड (ब्रह्माकुमारीज)। विश्वव्यापी अन्तर्राष्ट्रीय संगठन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के 41 वीं पुण्य तिथि 18 जनवरी, 'विश्व शान्ति दिवस' के रूप में मनायी जायेगी। जिसमें पूरे विश्व के करोड़ों लोग विश्व शान्ति एवं सदभावना के लिए आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लेकर विश्व शान्ति की मंगल कामना करेंगे।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए संस्था के मुख्यालय मीडिया प्रवक्ता ब्र. कु. करूणा ने बताया कि 18 जनवरी, 2010 को संस्था के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 41 वीं पुण्य तिथि पूरे विश्व में श्रद्धापूर्वक मनायी जायेगी। जिसमें भारत सहित विश्व के 132 देशों में फैलें 8500 सेवाकेन्द्रों पर हजारों कार्यक्रम एक साथ आयोजित किये जायेंगे। जिसमें प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की स्मृति में समस्त जगत में शान्ति एवं सदभावना के लिए प्रार्थना सभायें आयोजित की जायेगी तथा अनेक धर्मार्थ कार्यक्रमों का आयोजन होगा। संस्था के मुख्यालय माउण्ट आबू तथा शान्तिवन आबू रोड में भी दुनियां भर से हजारों लोग इकट्ठे होंगे तथा अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

उक्त तिथि पूरे विश्व में एक निर्धारित समयानुसार प्रात: 4 बजे से ही प्रार्थना और ध्यान का सिलसिला प्रारम्भ होगा। सुबह 9.00 बजे माउण्ट आबू स्थिति बाबा की समाधि स्थल **'शान्ति स्तम्भ'** पर संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी ह्दयमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव ब्रह्माकुमार निर्वेर, ब्रह्माकुमार बृजमोहन, ब्रह्माकुमार रमेश सहित सभी वरिष्ठ पदाधिकारी मौन रहकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसी क्रम में पूरे विश्व में संस्था के स्थानीय सेवाकेन्द्रों द्वारा 8500 से भी ज्यादा समाजपयोगी कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

ज्ञातव्य हो कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने विश्व कल्याण के प्रति महान कर्म करते हुए 18 जनवरी, 1969 को अपने नश्वर शरीर का त्याग किया था। आज उनके द्वारा विश्व परिवर्तन का प्रयास एक विशाल क्रान्ति का रूप लेकर 132 देशों में फैल चुका है। जिससे लाखों लोग जुड़कर विश्व परिवर्तन की प्रक्रिया में भागीदार है।